दैनिक नवज्योति
राष्ट्रीय
82
जयपुर
शनिवार, 24 नवम्बर, 2018
dainiknavajyoti.in

ग्रामीण भारत में जल प्रबंध का काम जेंडर से जुड़ा मुद्दा

जल संरक्षण और प्रबंधन पर तीन दिवसीय कार्यशाला शुरू

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर

सेंटर फॉर सोशल रिसर्च की डायरेक्टर डॉ. रंजना कुमारी ने कहा कि ग्रामीण भारत में जल प्रबंध का काम जेंडर से जुड़ा मुद्दा है और बड़े पैमाने पर महिलाओं को इस काम से जोड़ा जाना चाहिए। वे शुक्रवार को टोंक रोड स्थित एक निजी होटल में सेंटर की ओर से जल संरक्षण और प्रबंधन पर शुरू हुई तीन दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि हमारी परियोजना से पता चल रहा है कि ग्रामीण महिलाएं और उनका परिवार जब व्यवस्थित और संगठित तरीके से वाटर बॉडीज का प्रबंध करना सीख जाता है तो भारी लाभ में रहता है। इस मौके पर ग्रामीण राजस्थान की निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों को जल प्रबंध और संरक्षण का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

यह एक ऐसी परियोजना का भाग है जिसका मकसद ग्रामीण महिलाओं में राज्य के वाटर बॉडीज (तालाब, जलाशय व पोखर) का प्रबंध करने के लिए कौशल विकास करना है। कार्यशाला में जल और जलवायु परिवर्तन विशेषज्ञों के साथ स्त्री-पुरुष में भेदभाव खत्म करने के काम करने वाले लोग भी आए हैं। इनके साथ निर्वाचित महिला प्रतिनिधि व सरकारी अधिकारी भी कार्यशाला में हिस्सा ले रहे हैं।